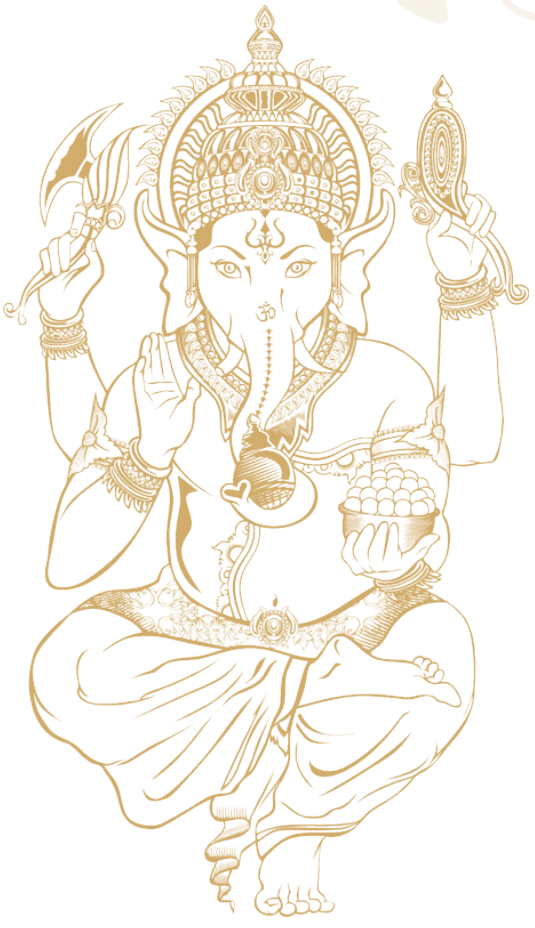

Rishabh

Bhupendri

Model: Love-Horoscope

Order No: 121345001

Model: Love-Horoscope

Order No: 121345001 Date: 21/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/08/1996	जन्म तिथि	16-17/02/2001
सोमवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 15:58:00	जन्म समय	01:32:00 घंटे
घटी 25:22:25	जन्म समय(घटी)	46:49:13 घटी
India	देश	India
Bijna	स्थान	Bijnor
25:28:00 उत्तर	अक्षांश	29:22:00 उत्तर
79:02:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:13:52	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:49:02	सूर्योदय	06:56:03
18:46:14	सूर्यास्त	18:07:17
23:48:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:07

धनु	लग्न	वृश्चिक
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
तुला	राशि	वृश्चिक
शुक्र	राशि-स्वामी	मंगल
चित्रा	नक्षत्र	ज्येष्ठा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	बुध
3	चरण	3
शुभ	योग	हर्षण
बालव	करण	वणिज
रा-राकेश	जन्म नामाक्षर	यी-यीशा
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
व्याघ्र	योनि	मृग
राक्षस	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मृग

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक
रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात नगीना बिजनौर
+918510924140,9690977419
rajatkaushik265@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 4मा 23दि		17:38:40	धनु	लग्न	वृश्चि	11:02:59	बुध 8वर्ष 1मा 18दि	
गुरु		02:54:06	सिंह	सूर्य	कुंभ	04:20:52	शुक्र	
12/01/2018		00:11:36	तुला	चंद्र	वृश्चि	23:37:17	06/04/2016	
12/01/2034		22:31:18	मिथु	मंगल	वृश्चि	07:10:29	06/04/2036	
गुरु	01/03/2020	00:08:35	कन्या	बुध व	मक	26:11:14	शुक्र	06/08/2019
शनि	12/09/2022	14:22:13	धनु व	गुरु	वृष	08:09:53	सूर्य	06/08/2020
बुध	18/12/2024	17:09:39	मिथु	शुक्र	मीन	16:46:18	चन्द्र	06/04/2022
केतु	24/11/2025	12:46:27	मीन व	शनि	वृष	00:40:39	मंगल	06/06/2023
शुक्र	25/07/2028	14:48:51	कन्या	राहु	मिथु	20:51:56	राहु	06/06/2026
सूर्य	13/05/2029	14:48:51	मीन	केतु	धनु	20:51:56	गुरु	04/02/2029
चन्द्र	12/09/2030	07:49:53	मक व	हर्ष	मक	27:22:22	शनि	06/04/2032
मंगल	19/08/2031	01:44:53	मक व	नेप	मक	13:11:59	बुध	05/02/2035
राहु	12/01/2034	06:32:41	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:10:07	केतु	06/04/2036

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:40 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:07

लग्न-चलित

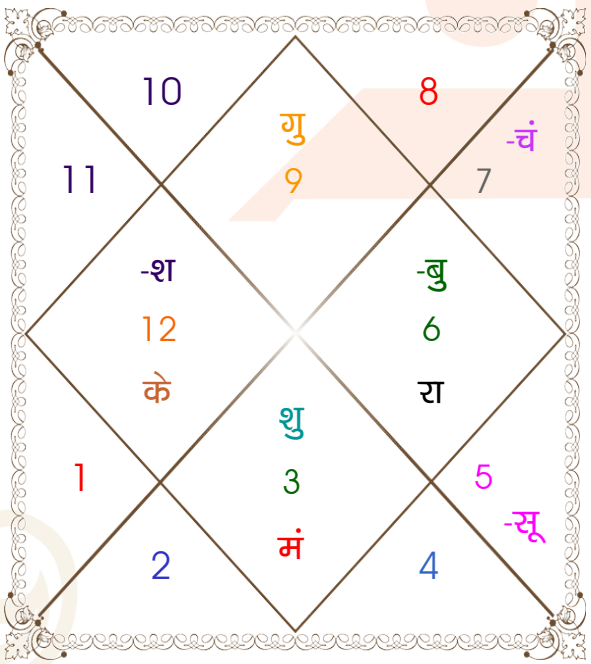

लग्न-चलित

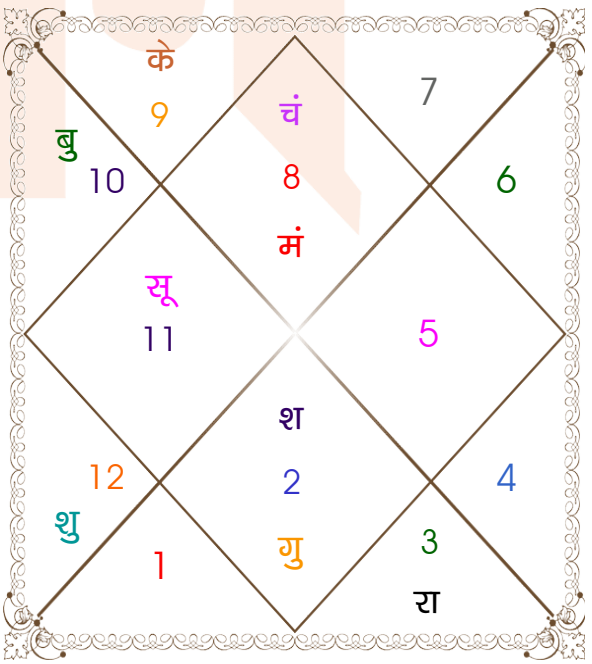

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक
रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात नगीना बिजनौर
+918510924140,9690977419
rajatkaushik265@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

कुल : **20.5 / 36**

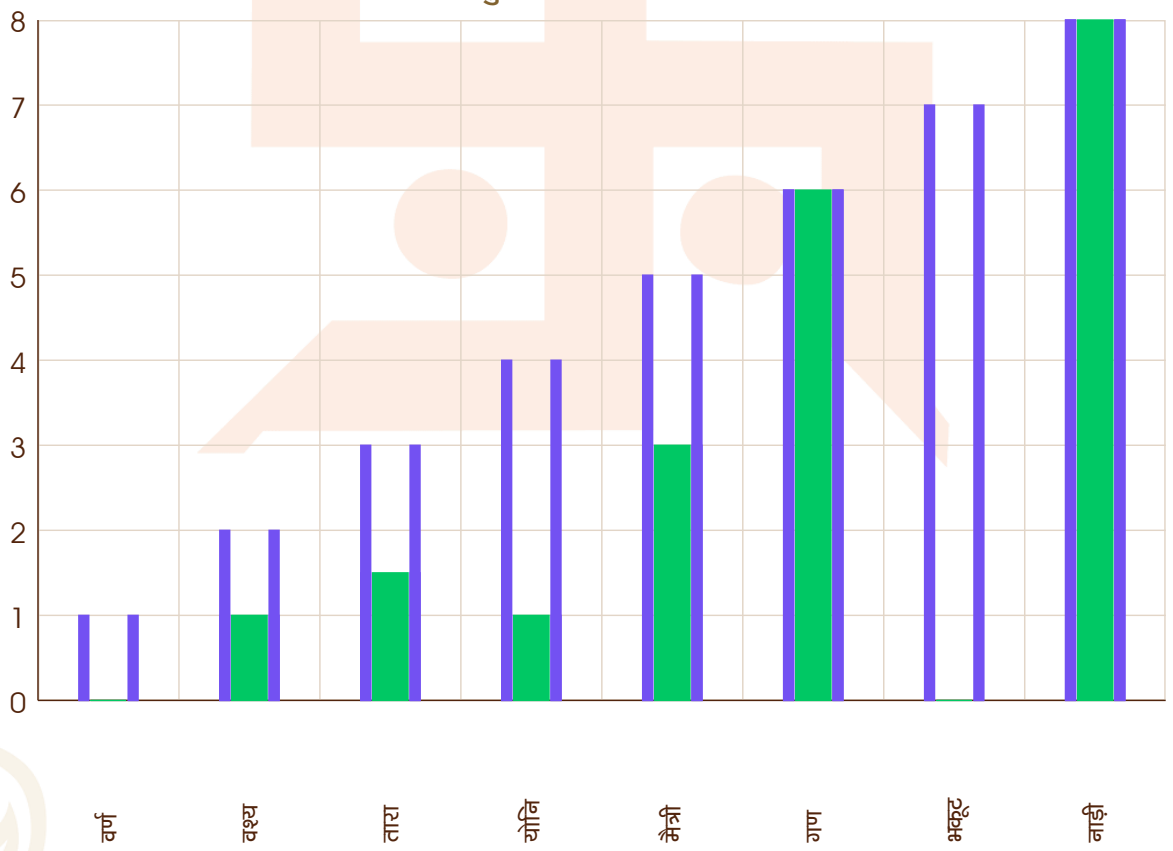

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक
रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात नगीना बिजनौर
+918510924140,9690977419
rajatkaushik265@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Rishabh का वर्ग मृग है तथा Bhupendri का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rishabh और Bhupendri का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Rishabh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Rishabh कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Bhupendri मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्e;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Bhupendri कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Bhupendri कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक
रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात नगीना बिजनौर
+918510924140,9690977419
rajatkaushik265@gmail.com

क्योंकि शनि Bhupendri कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rishabh तथा Bhupendri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक
रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात नगीना बिजनौर
+918510924140,9690977419
rajatkaushik265@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Rishabh का वर्ण शूद्र है तथा Bhupendri का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Bhupendri का वर्ण Rishabh के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। Bhupendri हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही Rishabh के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

Rishabh का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Bhupendri का वश्य कीट है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। फलस्वरूप Rishabh एवं Bhupendri दोनों के बीच हितों का टकराव होता रहेगा साथ ही दोनों के बीच आपसी सहयोग, समझ एवं सामंजस्य का पूर्णतः अभाव बना रहेगा। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे के शत्रु भी बन सकते हैं जिससे प्रगति एवं समृद्धि बाधित होती है। दोनों के बीच घमासान चलता रहेगा तथा तनाव एवं संदेह का माहौल कायम हो सकता है।

तारा

Rishabh की तारा साधक तथा Bhupendri की तारा प्रत्यरि है। Bhupendri की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Rishabh एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Bhupendri का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Bhupendri के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Rishabh अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Rishabh की योनि व्याघ्र है तथा Bhupendri की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय

अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Rishabh एवं Bhupendri दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्य म करना पड़ सकता है।

गण

Rishabh का गण राक्षस है तथा Bhupendri का गण भी राक्षस है। अर्थात Bhupendri का गण Rishabh के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Rishabh एवं Bhupendri दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्य पि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Rishabh से Bhupendri की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Bhupendri से Rishabh की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Rishabh गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Bhupendri समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Rishabh शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Rishabh की नाड़ी मध्य है तथा Bhupendri की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ

तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक
रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात नगीना बिजनौर
+918510924140,9690977419
rajatkaushik265@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Rishabh की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा Bhupendri की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। वायु एवं जल में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Rishabh और Bhupendri में स्वभावगत असमानताएं होंगी फलतः दाम्पत्य संबधों में मतभेद तथा तनाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन अच्छा नहीं रहेगा। अतः यह मिलान अनुकूल नहीं रहेगा।

Rishabh की जन्म राशि का स्वामी शुक्र तथा Bhupendri की जन्मराशि का स्वामी मंगल दोनों एक दूसरे की सम राशि में हैं। अतः इसके प्रभाव से Rishabh और Bhupendri के प्रवृति एक दूसरे के प्रति उदासीन रहेगी तथा किसी भी प्रकार की सक्रियता का प्रायः अभाव रहेगा। फिर भी एक दूसरे के प्रति सामान्यतया सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति का भाव रहेगा तथा सुख दुख में यथा शक्ति एक दूसरे की सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

Rishabh तथा Bhupendri दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना गया है इसके प्रभाव से परस्पर संबधों में मतभेद तथा तनाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः विरोध एवं वैमनस्य के भाव में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे की प्रशंसा की अपेक्षा आलोचना अधिक करेंगे । अतः इनका वैवाहिक जीवन विशेष सुखी या शांतिमय नहीं रहेगा।

Rishabh का वश्य मानव तथा Bhupendri का वश्य कीट है। मानव एवं कीट में नैसर्गिक शत्रुता तथा विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता होगी। साथ ही शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं अलग अलग होंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे।

Rishabh का वर्ण शूद्र तथा Bhupendri का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में भी अन्तर रहेगा। Rishabh की प्रवृति किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम पूर्वक करने की रहेगी परन्तु Bhupendri शैक्षणिक धार्मिक तथा सत्कार्यो को करने में प्रवृत रहेंगी अतः इससे भी यदा कदा Rishabh और Bhupendri के मध्य तनाव उत्पन्न हो सकता है।

धन

Rishabh और Bhupendri की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया Rishabh और Bhupendri समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Bhupendri की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील

रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही Rishabh भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए Rishabh और Bhupendri को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Rishabh की नाड़ी मध्य तथा Bhupendri की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके ऊपर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मूत्र रोग संबंधी परेशानी भी रहेगी। साथ ही Rishabh भी हृदय संबधी रोग से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा काम क्रियाओं में भी शिथिलता की अनुभूति करेंगे फलतः दाम्पत्य जीवन में सुख की अल्पता आएगी। Bhupendri भी यदा कदा काम संबंधों में उदासीनता का परिचय देंगी। अतः उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता करने के लिए Rishabh और Bhupendri को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के व्रत रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Rishabh और Bhupendri का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Rishabh और Bhupendri के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Bhupendri के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Bhupendri को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Bhupendri को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Rishabh और Bhupendri सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Rishabh और Bhupendri का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Bhupendri के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत

Bhupendri के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Bhupendri अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Bhupendri के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Rishabh के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Rishabh अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Rishabh के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Rishabh के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

लग्न फल

Rishabh

आपका जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह निर्देश प्राप्त हो रहा है कि आपका मुख्य उद्देश्य अपार संपत्ति प्राप्त करना एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन निर्वाह करना है, जिसकी पूर्ति सहज भाव से होने की पूर्ण संभावना है। आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के द्वितीय चरण में धनु लग्न, कन्या नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से ऐसा संकेत परिलक्षित हो रहा है कि आपकी महत्वकांक्षा सहजता पूर्वक पूर्ण नहीं होगी। परंतु आप अथक परिश्रम करके भी अपने उद्देश्य से संबंधित कार्य कलाप करते रहेंगे। इसके प्रभाव से निश्चित रूपेण आपको आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त होगी क्योंकि आपमें यह प्रतिभा ईश्वरीय प्रदत्त वरदान स्वरूप है।

आप व्यक्तिगत रूप से स्पष्टवादी प्राणी है। आपमें "विश्वसनीयता एक अच्छी नीति है।" इस पर विश्वास नहीं करते आप वास्तव में इसको कार्यरूप में देखना चाहते हैं। आप उत्कृष्ट लाभांश प्राप्त करने अथवा प्रदान करने में विश्वास रखते हैं। आप धनी, संपत्तिवान, दानी प्रवृत्ति के तथा जरूरतमंद लोगों की मदद करने वाले होंगे। आप एक अच्छे एवं श्रदालु स्वभाव के प्राणी हैं। आप ऊंची लहरों के समान बार बार धर्म एवं दर्शन के संबंध में सीख प्राप्त करेंगे।

आप निःसंदेह उच्च महत्वकांक्षी है तथा अपने लक्ष्य से संबंधित कार्यकलाप द्वारा अपनी परियोजना को भली प्रकार कार्यान्वयन करने की रूप रेखा पर विचार कर उत्साह पूर्वक कार्य में तल्लीन हो जाएंगे। यदि एक बार आप किसी कार्य को प्रारंभ कर देंगे। पुनः किसी भी प्रकार की विपरीत परिस्थिति में हतोत्साहित नहीं होंगे। प्रतिकूल परिस्थिति को समकोणात्मक चुनौती समझकर सफलता की ओर बढ़ते रहते हैं। आप में ऐसी प्रतिभा विद्यमान है कि आप किसी भी परिस्थिति का मूल्यांकन कर उचित दृष्टिकोण से तथा शीघ्रतापूर्वक किसी भी प्रकार के सुअवसर को हस्तगत कर अपने रास्ते पर चले आते हैं।

आप और आपकी पत्नी अर्थात् आप सपत्नीक भाग्यशाली हैं तथा सभी प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उपयुक्त हैं। आपके जीवन का अनुकूल समय आपकी आयु के 27 वां वर्ष है जब सभी कार्य अथवा आपकी आकांक्षा आपके अनुकूल हो जाएगी। परंतु यदि आप अपने भाग्य को बहुत अधिक प्रेरित करना चाहकर, कहीं सट्टेबाजी या जूआ आदि के खेल में फंस गए अथवा आप जूआ सट्टा आदि खेल में योगदान करने लगे तो यह आपके धन लोलुपता का परिचायक होगा। लेकिन इससे आपके पास पर्याप्त धन नहीं आ सकेगा तथा आपको संतुष्टि भी नहीं मिलेगी।

आपके जैसा प्राणी बाहरी खेलकूद में अभिरूचि रखता है एवं यात्राएं खूब करता है। आप भी घर से बाहर अधिक समय बिताएंगे। अतएव आप अपने उत्कर्ष का विस्तार नहीं कर सकेंगे तथा आपके पारिवारिक जीवन में न्यूनता आ जाएगी तथा आपका जीवन एक तमाशा

बन कर रह जाएगा। आपकी पत्नी आपके घर परिवार को अपने अधिकृत रखेगी और आप कोई अन्य विकल्प की तलाश कर कोई सामंजस्य पूर्ण कर्त्तव्य का निर्वाहन करना चाहेंगे। आप का सौभाग्य है कि आप एक सुन्दर जीवन संगिनी तथा समझदार संतान से युक्त रहेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, सोमवार एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं बुधवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक किसी भी कार्य-कलाप हेतु अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम रंग, हरा, सूआपंखी, नीला एवं नारंगी रंग है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग अव्यवहरणीय है।

Bhupendri

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के तृतीय चरण में वृश्चिक लग्न के उदयकाल में हुआ था। आपका जन्म तुला नवमांश एवं मीन के द्रेष्काण के प्रभाव से लग्न का प्रभाव अति उच्चाकांक्षी एवं प्रभावशाली प्रतीत होता है एवं सूचित करता है कि आप मात्र निष्कपट प्राणी ही नहीं है, बल्कि आप सर्वथा धनी एवं संभव वैदेशिक परिभ्रमण परिदर्शनार्थी होंगी। आपमें धूमने फिरने की उत्कट लालशा विद्यमान है। आपको कतिपय वैदेशिक भूमि का परिभ्रमण क्रम में कार्य-व्यवसाय की अनुकूलता की संभावनाओं के कारण विदेश में अपना निवास भी बना सकती हैं।

आप अपने जीवन के उद्देश्यित कार्य संपादन हेतु समर्थ होंगी। आप अच्छी प्रकार यह जानती हैं कि लोगों के द्वारा किस प्रकार कुछ भी प्राप्त किया जाता है। आप किसी के साथ भी सन्निकटता प्राप्त करने में मास्टर है तथा शक्ति एवं अधिकृत पद प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय में कैसे उन्नति कर सकती हैं इस युक्ति पर आपको पूर्ण आस्था है। साथ ही आप चिकनी चुपड़ी एवं मीठी-मीठी बातें कर जनसामान्य को अपने वाक्य जाल में फंसा कर अपने प्रति विश्वासी बना लेती हैं। वास्तविकता तो यह है कि आप बाहर से और तथा अंदर हृदय से कुछ और है। आपके वाह्याचरण एवं अंतरंगता में भिन्नता है।

आप अपनी कार्य योजना के गुप्त रहस्यों को स्वयं जानती हो क्योंकि आप अपने अनुकूल समर्थ किसी अन्य को नहीं समझती। इससे आपको आश्चर्यजनक अनुकूलता प्राप्त होती है तथा अकस्मात् उछलकर अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए सुगमतापूर्वक कार्य संपादन कर लेती हैं।

आप में व्यक्तिगत रूप से उच्च महत्वकांक्षा विद्यमान हैं। आपका मुख्य उद्देश्य धन प्राप्त करना है। आप अपनी उपलब्धि के प्रति अपने मस्तिष्क में कोई बल नहीं देती। अर्थात् कोई विशेष चिंतनशील नहीं बनती हैं।

यदि ऐसी परिस्थिति आ जाय कि कोई व्यक्ति अनैतिकपूर्ण आचरण अर्थात् बेईमानी करें तो उसके प्रति प्रतिशोधात्मक रवैया अपनाकर, उसे प्रताड़ित करने अर्थात् सताने लगती हैं। यदि एक बार आप हिंसक प्रवृति अपना लेती है तो फिर आप जहरीले बिच्छू की भांति सतत् उस व्यक्ति को संतप्त करती रहती हैं।

आप भूमि से संबंधित व्यवसाय कर सकती हैं। यथा कृषिकार्य, खदान में खनिज खनन का कार्य, भूमि के नीचे अभियंत्रिकी कार्य आदि जो आपको उपयुक्त लगे वह कार्य कर सकती हैं। आप अभिनय कार्य अथवा कलाभवन अर्थात् साज-शय्या संबंधी कार्य में विशिष्टता प्राप्त कर सकती हैं।

आप परिवारिक जीवन से युक्त रहने को महत्त्व देती हैं। आप अपने प्यारे पति एवं समझदार अर्थात् उदीयमान पुत्र से युक्त अपना परिवारिक जीवन यापन हेतु उत्सुक रहती हैं।

आप अपनी आगामी कार्य योजना की अच्छी शुरूआत हेतु आश्वस्त रहती हैं। आप अपनी जीवन संगी की उपुयक्ता हेतु जिसका जन्म बृश्चिक, मीन, कर्क, कन्या, मकर अथवा बृष राशि में हुआ है वह जीवन संगी आपके लिए अच्छा रहेगा। तब आप उस पति को अपने योग्य चयन कर सकती हैं जो आपको अच्छी संतान एवं सुखमय परिवार का आनंद दे सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग जो जीवन में अनिवार्यता की भूमिका प्रदान कर सके। उस रंग यथा पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंगों का चयन एवं पसंद कर सकती हैं परंतु सफेद रंग, हरा एवं नीला रंग अनुपयुक्त एवं त्याज्यनीय है।

अंकों में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक आपके लिए अनुकूल है, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुपयुक्त है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

अंक ज्योतिष फल

Rishabh

आपका जन्म दिनांक 19 है। एक एवं नौ के योग से आपका मूलांक 1 होता है। मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है। अंक नौ का स्वामी मंगल है। इन दोनों ही ग्रहों का प्रभाव आप पर आयेगा। मूलांक एक के प्रभाववश आप सूर्य के समान समाज में लोकप्रिय होंगे। बहुतों का पालन करेंगे। उच्च महत्वाकांक्षाएं आपके अन्दर अधिक रहेंगी। संघर्ष, साहस एवं धैर्य से आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति करेंगे। जीवन में आप कई उच्च सफलताएं प्राप्त करेंगे। एकाध कार्यों में रुकावट भी आयेगी, जिसे आप सूर्य मंगल के प्रभाववश अपनी मेहनत, धैर्य एवं साहस से पार कर लेंगे।

अंक नौ के स्वामी मंगल के प्रभाव से आपमें अदम्य साहस रहेगा तथा आपकी हमेशा शत्रुओं को जीतने की इच्छा बलवती रहेगी। शत्रु के सामने आप हथियार नहीं डालेंगे और येन केन प्रकारेण शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। कभी-कभी आप दुःसाहस करेंगे। जिसका फल आपको ठीक नहीं मिलेगा। क्रोध से आपको हानि अधिक होगी। अतः क्रोध से हमेशा बचना आपके लिये हितकर रहेगा।

आपकी विचारधारा स्वतंत्र स्वभाव की रहेगी। इससे आपको किसी के आधीन कार्य करने में असुविधा महसूस होगी। जबकि स्वतंत्र प्रभार वाले कार्यों में आप तन मन धन से सेवा करेंगे और नाम तथा यश प्राप्त करेंगे। आपको अपने रोजगार-व्यापार में स्वतंत्र प्रभार वाले क्षेत्रों का चुनाव करना प्रगति में सहायक होगा। सामाजिक एवं संगठन के क्षेत्र में आप मुखिया के समान कार्य करेंगे एवं स्वयं की योजनानुसार कार्य करने पर आपको अच्छी ख्याति एवं लाभ प्राप्त होगा। सूर्य एवं मंगल का मिला जुला प्रभाव आपको उच्चता प्राप्त करायेगा।

Bhupendri

आपका जन्म दिनांक 17 है। एक एवं सात के योग से आपका मूलांक 8 होता है। आठ मूलांक का स्वामी शनि है। अंक एक का सूर्य तथा सात का भारतीय मत से केतु एवं पाश्चात्य मत से नेपच्यून है। इन तीनों ग्रहों का प्रभाव आपके जीवन में दृष्टिगोचर होगा। मूलांक 8 के स्वामी शनि प्रभाव से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। आपके जीवन में संघर्ष अधिक रहेंगे एवं प्रत्येक कार्य को प्रारम्भ करने के बाद अवरोध आयेंगे। जिन्हें आप मेहनत एवं धैर्य से पार कर उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

निराशा एवं आलस्य दो अवगुण आपकी प्रगति के बाधक रहेंगे। अतः किसी भी कार्य की असफलता से निराश न हों तथा दुबारा प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। कार्य में कर्म के सिद्धांत को मानते हुये आलस्य से दूर रहना सफलता की कुंजी रहेगा। अंक एक के स्वामी सूर्य एवं सात के केतु या नेपच्यून के प्रभाव से आपकी कल्पना शक्ति, विचार शक्ति अच्छी रहेगी। आप में दूसरों को समझनें की शक्ति अच्छी होगी। अतीन्द्रिय ज्ञान भी अच्छा रहेगा। सूर्य प्रभाव से आपका नाम स्थायी प्रसिद्धि को प्राप्त करेगा। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आपको यश

तथा लाभ प्राप्त होगा।

उच्च वर्ग में आप लोकप्रिय होंगी एवं उच्चवर्ग से लाभ प्राप्त करेंगी। आपकी इच्छा शक्ति दृढ़ रहेगी एवं अपनी बात पर अडिग रहने की प्रवृत्ति आप में पाई जायेगी। आप थोड़ी हठी होंगी। हठ की यह प्रवृत्ति यदाकदा आपको हानि भी पहुँचायेगी। अतः जहाँ तक हो सके आप अपने हठ पर सन्तुलन रखें एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें। सूर्य केतु शनि ग्रहों के प्रभाव से आप अपने जीवन में एक सफल महिला होंगी। आपकी ख्याति अच्छी रहेगी तथा दूसरों के लिये उदाहरण का कार्य करेंगी।

Rishabh

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रूझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

Bhupendri

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की हिमायती होंगी एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़ी दूर तथा आधुनिक होंगी।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रूझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगी। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।